सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 267 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 5 नवम्बर, 2024

मूल्य ₹ 3/-

अपना भाग्य स्वयं नियंत्रित करिए नहीं तो कोई और करने लगेगा।

–जैक वेल्च

आईसीसीस ने महिला एफटीपी... 7 | मंदिर पर हमला, जनता आमने... 3 | यूपी पर लगाम लेने की कोशिश... 2

सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा बोर्ड को दी मंजूरी

यूपी सरकार के टूटे सपने

शीर्ष कोर्ट ने सीएम योगी की दिया करारा झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार के सपने पर करारा वार किया है। दरअसल,यूपी मदरसा एक्ट वैध है या अवैध, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (5 नवंबर) को इस मामले पर बड़ा फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को पलटते हुए यूपी मदरसा एक्ट को मान्यता दी। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी मदरसा एक्ट की संवैधानिकता को बरकरार रखा है। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने 22 मार्च को यूपी मदरसा बोर्ड एक्ट को संविधान के मौलिक ढांचे के खिलाफ बताते हुए सभी छात्रों का दाखिला सामान्य स्कूलों में करवाने का आदेश दिया था।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली सुप्रीम कोर्ट की तीन जस्टिस की बेंच ने कहा कि यह सही नहीं था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को नियमित करने के लिए कानून बना सकती है। इसमें सिलेबस, छात्रों का स्वास्थ्य जैसे कई पहलू शामिल हैं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मदरसा मजहबी शिक्षा भी देते हैं, लेकिन उनका मुख्य उद्देश्य शिक्षा ही है।

'हर निजी संपत्ति पर कब्जा नहीं कर सकती सरकार'

सुप्रीम कोर्ट ने निजी संपत्ति विवाद में बड़ा फैसला सुनाया है। इस मामले में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि सभी निजी संपत्ति समुदाय के भौतिक संसाधन नहीं। कुछ निजी संपत्ति समुदाय के भौतिक संसाधन हो सकती हैं, ये9 जजों के संविधान पीठ का फैसला है, जिसने 1978 से लेकर अभी तक के सुप्रीम कोर्ट के कई फैसले पलट दिये हैं। सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूंड़ की अगुवाई वाली 9 जजों की बेंच दशकों पुराने इस विवाद पर अपना फैसला सुनाया है. भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ–न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने इस साल 1 मई को सुनवाई के बाद निजी संपत्ति मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिय था। मामले में फैसला सुनाते हुए सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, तीन जजमेंट हैं, मेरा और 6 जजों का, जस्टिस नागरत्ना का आंशिक सहमति वाला और जस्टिस धुलिया का असहमति वाला हम मानते हैं कि अनुच्छेद 31सी को केशवानंद भारती मामले में जिस हद तक बरकरार रखा गया था, वह बरकरार है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऐतिहासिक फैसले में साफ कर दिया है कि सरकार सभी निजी संपत्तियों की अधिग्रहण नहीं कर सकती।

ये था मामला

उत्तर प्रदेश में 2004 में मदरसा ऐक्ट बनाया गया था इसमें कहा गया कि सभी मदरसे सरकार के नियमों के अधीन होंगे यूपी में साढ़े 24 हजार मदरसे हैं, जिसमें आठ हजार रजिस्टर्ड नहीं हैं। बचे साढ़े 16 हजार मदरसे रजिस्टर्ड हैं और सरकारी नियम से चलते हैं 560 मदरसे ऐसे हैं जो राज्य सरकार के फंड से चलते हैं।

हाई कोर्ट का फैसला पलटा

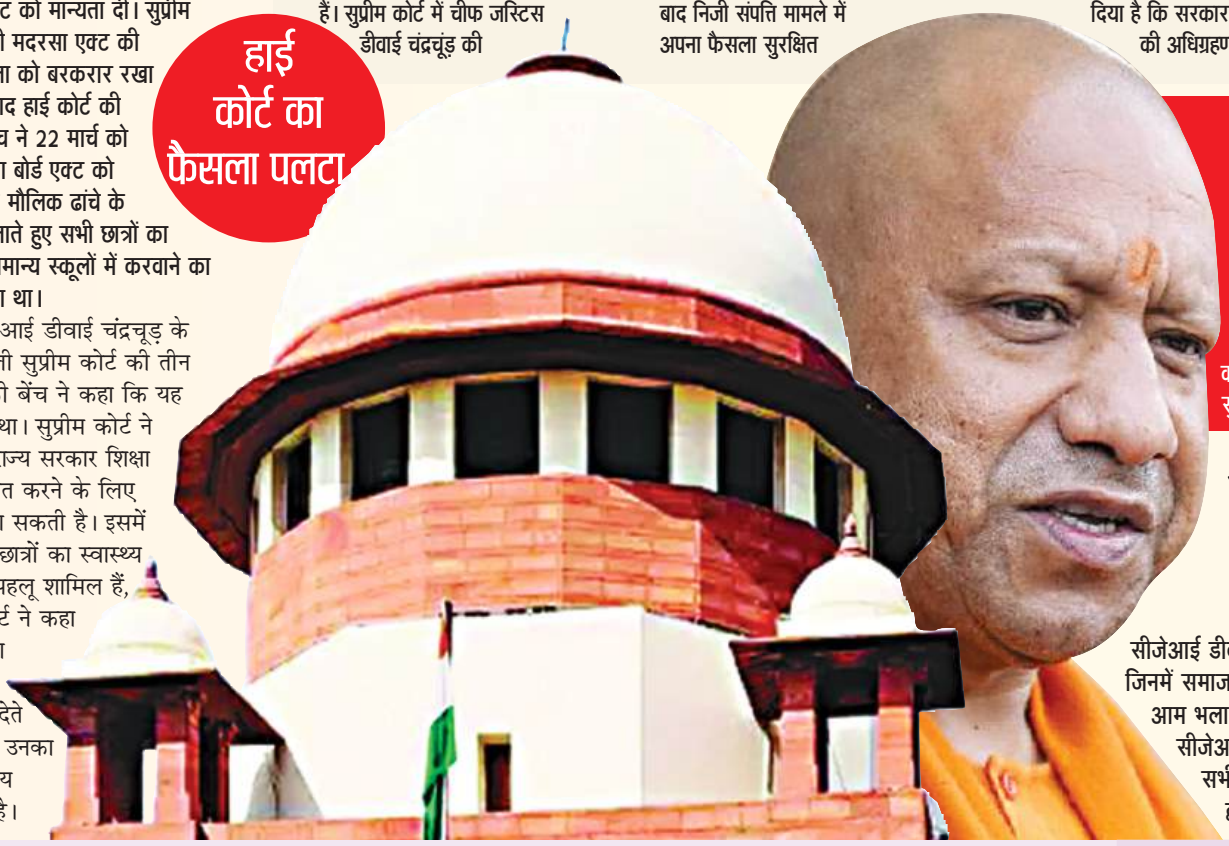

बोर्ड सरकार की सहमति बना सकता है व्यवस्था

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बोर्ड सरकार की सहमति से ऐसी व्यवस्था बना सकता है, जहां मदरसा के धार्मिक चरित्र को प्रभावित किए बिना सेक्युलर शिक्षा दे सके,5 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने यूपी मदरसा एक्ट पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने 22 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

1978 के बाद के फैसलों पर पड़ेगा प्रभाव

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने 1978 के बाद के उन फैसलों को पलट दिया है, जिनमें समाजवादी विषय को अपनाया गया था और कहा गया था कि सरकार आम भलाई के लिए सभी निजी संपत्तियों को अपने कब्जे में ले सकती है। सीजेआई ने सात न्यायाधीशों का बहुमत का फैसला लिखते हुए कहा कि सभी निजी संपत्तियां भौतिक संसाधन नहीं हैं और इसलिए सरकारों द्वारा इन पर कब्ज़ा नहीं किया जा सकता।

हाईकार्ट के फैसले से 17 लाख छात्र होते प्रभावित

सुप्रीम कोर्ट ने कहा इससे 17 लाख छात्र प्रभावित होते, हमारा मानना है कि छात्रों को दूसरे स्कूलों में स्थानांतरित करने का निर्देश उचित नहीं था। उत्तर प्रदेश की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने कहा था कि राज्य सरकार ने अधिनियम का बचाव किया है, लेकिन उसने हाईकोर्ट के उस फैसले को स्वीकार कर लिया है, जिसमें कानून को रद्द कर दिया गया था। नटराज ने कहा, जब राज्य ने फैसले को स्वीकार कर लिया है, तो अब राज्य पर कानून के खर्च का बोझ नहीं डाला जा सकता। राज्य कानून को निरस्त करने में भी सक्षम है। अगर मामले पर विचार करने की जरूरत है, तो मैं इसमें बाधा नहीं डालूंगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा कोई भी मदरसा बंद नहीं किया जा रहा है। नटराज ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार मदरसों को सहायता देने के लिए हर साल 1,096 करोड़ रुपये का वित्तीय बोझ उठाती है। उच्च न्यायालय ने 22 मार्च को उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 को असंवैधानिक और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करने वाला घोषित किया था और राज्य सरकार से छात्रों को औपचारिक स्कूली शिक्षा प्रणाली में समायोजित करने के लिए कहा था। उच्च न्यायालय ने अधिवक्ता अंशुमान सिंह राठौर द्वारा दायर एक रिट याचिका पर कानून को अधिकारहीन घोषित किया था।

मदरसों का है ये तर्क

1908 से मदरसे चल रहे हैंयूपी में साढ़े 16 हजार मदरसे हैं।"इनमें 17 लाख छात्र पढ़ रहे हैं। मदरसों में 10 हजार शिक्षक हैं मदरसे खत्म होंगे तो दीनी तालीम कैसे देंगे मदरसे सरकार के आदेश के तहत चल रहे हैं उनके सिलेबस को मदरसों में लागू किया जा रहा है।

मदरसों को डिग्री देने का अधिकार नहीं

यूपी मदरसा एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मदरसा एक्ट में मदरसा बोर्ड को फाजिल, कामिल जैसी डिग्री देने का अधिकार दिया गया है, यह यूजीसी एक्ट के खिलाफ है, इसे हटा देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डिग्री देना असंवैधानिक है, बाकी एक्ट संवैधानिक है, सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने ये फैसला दिया।

यूपी की लगाम लेने की कोशिश में दिल्ली : अखिलेश यादव

डीजीपी की नियुक्ति पर गरमाई प्रदेश की सियासत, सपा और भाजपा आमने-सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में डीजीपी की नियुक्ति को लेकर सपा मुखिया के निशाने पर बीजेपी की योगी सरकार आ गई है। इस मामले पर सपा प्रमुख ने कहा कि कहीं दिल्ली से अपने हाथ में लगाम लेने की कोशिश तो नहीं है। दरअसल,उत्तर प्रदेश में कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। इसी में डीजीपी की नियुक्ति पर भी कैबिनेट की मंजूरी मिली। इसके बाद यूपी में डीजीपी की नियुक्ति राज्य सरकार के स्तर से ही हो सकेगी।

यूपी के पूर्व सीएम ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि, सुना है, किसी बड़े अधिकारी को स्थाई पद देने और उसका कार्यकाल दो वर्ष तक बढ़ाने की व्यवस्था बनाई जा रही है। अब सवाल यह है कि व्यवस्था बनाने वाले खुद दो वर्ष रहेंगे या नहीं? इसके बाद उन्होंने तंज कसते हुए लिखा कि कहीं ये दिल्ली के हाथ से लगाम अपने हाथ में लेने की कोशिश तो नहीं है? दिल्ली बनाम लखनऊ 2.0।

डीजीपी की नियुक्ति राज्य सरकार के स्तर पर करने का फैसला

गौतलब हो कि प्रदेश में अब डीजीपी की नियुक्ति राज्य सरकार के स्तर से ही हो सकेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट ने इस बाबत पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश (उत्तर प्रदेश के पुलिस बल प्रमुख) चयन एवं नियुक्ति नियमावली 2024 को मंजूरी प्रदान कर दी। इसमें हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में मनोनयन समिति गठित करने का प्राविधान किया गया है। वहीं डीजीपी का न्यूनतम कार्यकाल दो वर्ष निर्धारित किया गया है।

बीजेपी में हार का डर : शिवपाल

उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर में सपा महासचिव शिवपाल सिंह यादव पहुंचे। यहां उन्होंने उपचुनावों को लेकर सरकार को घेरा। कहा कि उपचुनाव में हार तय देख भाजपा ने चुनाव आयोग की मदद से मतदान को आगे बढ़वा दिया है। इसके बाद भी हम घोषी सीट की तरह ही कटेहरी का उपचुनाव भी जीतेंगे। कटेहरी पहुंचे पूर्व मंत्री शिवपाल यादव ने सबसे पहले राम बाबा में आयोजित सभा को संबोधित किया। उन्होंने पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं से एक जुट रहने का आवाह्न किया। कहा कि मैं सब पर पैनी नजर रख रहा हूं। मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं व आम लोगों को पुलिस प्रशासन से डरना नहीं है। वह बुलाएं तो जाना भी नहीं है। सपा महासचिव ने कहा कि मतदान के दिन कोई गड़बड़ी प्रशासन न करने पाए। इसलिए, हम जिले के सीमाओं के पास डटे रहेंगे। कोई भी गड़बड़ी होते ही जिले में घुस जाएंगे। उन्होंने कहा कि कटेहरी में भले ही मंत्रियों की फौज लगाई गई है। लेकिन, घोषी की तरह हमें यहां भी जीत मिलेगी।

बेईमान लोगों की शिकायत चुनाव आयोग से हो रही है

कहा कि बेईमानी पर उतारू अधिकारियों का नाम नोट कर लें। सरकार आने पर उन्हें देखा जाएगा। कहा कि बेईमान अधिकारियों को गिड़गिड़ाते और पैरों पर गिरते देखा है। प्रशासन पर प्रधानों, कर्मचारियों व प्रमुखों आदि को धमकाने का आरोप लगाया। कहा कि इस सबकी शिकायत चुनाव आयोग से हो रही है। इतनी शिकायत कर देना है कि बेईमान लोग जवाब देते देते थक जाएं।

मुझे जेल भेजकर एलजी ने चलाई दिल्ली की सरकार : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बोले-इस बीच उन्होंने काम रोकने के अलावा कुछ नहीं किया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर फिर जोरदार हमला किया है। केजरीवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें जेल भेजकर उपराज्यपाल ने दिल्ली में छह महीने सरकार चलाई, लेकिन उन्होंने काम रोकने के अलावा कुछ नहीं किया।

केजरीवाल ने दावा किया कि अब सड़कें बननी शुरू हो गई हैं, सीवर की सफाई शुरू होने जा रही है, साफ पानी आने लगा है। सब ठीक हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली सरकार ने 10 साल में फ्री बिलजी,पानी, स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक और अस्पताल बनाए और कच्ची कालोनियों में सड़कें बनवाने समेत ढेरों काम किए। वहीं, देश के 22 राज्यों में भाजपा की सरकार है, लेकिन कहीं भी 24 घंटे बिजली नहीं आती है। केजरीवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने पिछले छह महीने में दिल्ली के लोगों के काम रोकने के अलावा और कोई काम नहीं किया।

सरकारी स्कूल के बच्चे पेरिस गए

सरकारी स्कूलों के बच्चे अब पेरिस जाकर फ्रेंच सीखेंगे। दिल्ली सरकार ने सरकारी स्कूलों में 9वीं से 12वीं में पढ़ने वाले 30 बच्चों को फ्रेंच भाषा की पढ़ाई करने के लिए पेरिस भेजा है। पढ़ने के लिए पेरिस गए ये बच्चों 4 से 15 नवंबर तक एलायंस फ्रांसेस डे पेरिस में ए2 फ्रेंच का अध्ययन करेंगे। इस प्रोग्राम के तहत इन छात्रों को फ्रेंच भाषा और फ्रांसीसी संस्कृति से परिचित कराया जाएगा। इन छात्रों को वहां के परिवारों के साथ रहने का अनुभव भी मिलेगा।

अभ्यर्थियों ने सीएम की पीएम से मुलाकात को बताया चुनावी

» 69000 शिक्षक भर्ती मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 69000 शिक्षक भर्ती मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात को अभ्यर्थियों ने चुनावी मुलाकात बताया है, क्योंकि यह मामला प्रदेश सरकार का है इसमें प्रधानमंत्री की कोई भूमिका ही नहीं हैं। प्रदेश सरकार चाहे तो इस मामले का तत्काल समाधान हो सकता है। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने बयान जारी कर कहा कि 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण लागू कराने में हुई विसंगति को दूर करने का मामला विधानसभा उपचुनाव से पहले निकालने की बात बेमानी है।

2022 विधानसभा चुनाव के दौरान भी ओबीसी समाज के कई नेता प्रधानमंत्री से मिले थे और हल निकाले जाने का आश्वासन दिया था। किंतु आज तक हल नहीं निकल पाया। यही कारण है कि हमें इस बार भी यकीन नहीं हो रहा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार यदि आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी को न्याय देना ही चाहते थे तो हाईकोर्ट डबल बेंच का फैसला आने पर क्यों नहीं दिए। उस समय प्रदेश सरकार और विभाग के अधिकारी चुप्पी साधे रहे, मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। यूपी में उपचुनाव आया तो आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी याद आने लगे।

राहुल से मिलेंगे अभ्यर्थी

69000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को रायबरेली में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी से मिलेगा। अभ्यर्थियों का नेतृत्व कर रहे धनंजय गुप्ता ने बताया कि चयनित आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी राहुल से मिलकर न्याय दिलाने की मांग करेंगे। वहीं सोमवार को अभ्यर्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल इस मामले में देवरिया में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल से भी मिला है।

ललन सिंह ने राजद सांसद सुरेंद यादव को बताया दानव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में 13 नवंबर को चार सीटों पर उपचुनाव होना है। सभी घटक दलों के नेता अपने-अपने प्रत्याशियों को जीतने के लिए जोर लगा रहे हैं। गया जिले के दो विधानसभा सीट बेलागंज और इमामगंज में चुनाव होना है। दोनों सीटों पर महागठबंधन और एनडीए लगातार कसरत कर रही है।

चुनाव की तिथि जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, नेता एक-दूसरे पर जुबानी हमला कर रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को बेलागंज विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सरकार के मंत्री ललन सिंह ने जहानाबाद राजद सांसद डा सुरेंद्र यादव और लालू यादव और राबड़ी देवी पर जमकर हमला किया। सरकार के मंत्री ललन सिंह ने कहा कि बहुत दिन बेलागंज में आप लोग गुलामी सह लिए, इसलिए दानव को बेलागंज से मुक्त करना है। आज मैंने बाबा कोटेश्वर धाम मंदिर में माथा टेक कर चुनाव प्रचार शुरू किया हूं। माता टेककर चले हैं ताकि बेलागंज के लोगों को दोनों से मुक्त किया जा सके।

भाजपा को व्यवस्था में सुधार से कोई मतलब नहीं : सुक्खू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बोले- गद्दी बचाने में जुटे जयराम

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि बीते 40 वर्ष से बिगड़ी व्यवस्था में सुधार होता देख भाजपा नेताओं को तकलीफ हो रही है। प्रदेश आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। सांसद अनुराग ठाकुर खुद वित्त राज्य मंत्री रहे हैं। उनको देखना चाहिए कि अब प्रदेश की वित्तीय स्थिति कितनी बेहतर हुई है। पूर्व भाजपा सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य के स्तर में निम्न स्तर पर प्रदेश को पहुंचाया है।

नादौन में पत्रकारों से सवालों के जवाब में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सांसद अनुराग ठाकुर के बयान पर यह पलटवार किया। बीते दिनों अनुराग ठाकुर ने कहा था कि प्रदेश में सरकार चलाना कांग्रेस के बस की बात नहीं है।

भाजपा नेताओं में आंतरिक लड़ाई से पीएम तक नहीं पहुंच रही सच्ची बातें

भाजपा नेताओं में आंतरिक लड़ाई इतनी ज्यादा हो चुकी है कि वे कई भागों में बंटे हुए हैं। उनकी आंतरिक लड़ाई का असर यह है कि वे एक सुर में बात नहीं कर पा रहे और प्रधानमंत्री के पास झूठी खबरें पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर अपनी गद्दी को बचाने के लिए हर दिन बयान देते हैं। महाराष्ट्र में प्रदेश के नेताओं ने पीएम से झूठ बुलावा दिया। हालांकि, अब प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया से ट्वीट को डिलीट कर दिया है। प्रदेश आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। यह बात भाजपा नेताओं को हजम नहीं हो पा रही है। भाजपा कई भागों में बंटी हुई है।

सिद्धू की भाजपा में वापसी की अटकलें तेज, संधू से मिलीं पत्नी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर। पिछले कुछ समय से राजनीतिक गतिविधियों से दूर चल रहे नवजोत सिंह सिद्धू परिवार ने एक बार फिर राजनीति में एंट्री लेने की कोशिश शुरू कर दी है। इस बार सिद्धू परिवार भाजपा के निकट आने की तैयारी में है। कांग्रेस में जाने के उपरांत सिद्धू परिवार का राजनीतिक ग्राफ नीचे को आना शुरू हो गया था। अब एक बार फिर सिद्धू परिवार ने राजनीति का सहारा लेने की कोशिश शुरू कर दी है।

नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर ने गत दिवस भाजपा नेता तरनजीत सिंह संधू से मुलाकात की है। इसके बाद राजनीतिक गलियारे में चर्चा शुरू हो गई है कि सिद्धू परिवार भाजपा में शामिल होने की कोशिशें कर रहा है। डॉ. नवजोत कौर के साथ उनकी बेटी राबिया भी मौजूद थी। तरनजीत संधू ने इस मुलाकात की तस्वीरें भी अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि समुद्री हाउस में डॉ. नवजोत से मिलना और अमृतसर से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना एक सुखद अनुभव रहा।

और बढ़ रही है कनाडा-भारत में खाई!

मंदिर पर हमला, जनता आमने–सामने

- दोनो देशों के राजनीतिक सबंध पहले ही हो चुके हैं खराब
- जानकारों का कहना है कि अगले वर्ष कनाडा में चुनाव है और तबतक ऐसा महौल बना रहेगा
- अभी तक तो यूपी के सड़कों पर लाठी डंडों से पिटाई के नजारे दिखयी देते थे लेकिन यह ट्रेंड कनाडा तक पहुंच गया।

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत–कनाडा की राजनीतिक लड़ाई अब सड़कों पर उतर आयी है, और मंदिरों पर भी हमले शुरू हो गये है। डंडे लेकर किसी को मार देने का चलन अभी तक भारत की सड़कों पर दिखायी देता था लेकिन यह चलन कनाडा तक पहुंच गया और हमसभी को एक बुरी खबर से सुनने के लिए मजबूर होना पड़ा। भारत–कनाडा के रिश्ते अबतक के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं।

कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर हमले से हाहाकार मच गया है। भारत के लाखों लोग कनाडा में बसे हैं। ऐसे में कनाडा के बदलते महौल से वह चिंतित है और अपनो के ? लिए दुआएं कर रहे हैं। टोरोंटो से हाल ही में त्योहार मनाने लखनऊ पहुंचे अमित भी इस खबर को सुनकर स्तबध हैं। भारतीय उच्चायोग ने इस पूरे प्रकरण पर ?चिंता जाहिर की है। गौरतलब है कि कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू मंदिर में आए लोगों पर खालिस्तानी समर्थकों ने हमला कर दिया। हमलावरों के हाथों में खालिस्तानी झंडे थे। उन्होंने मंदिर में मौजूद लोगों पर लाठी-डंडे बरसाए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

पीएम ट्रूडो ने की निंदा

इस घटना की कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा है कि ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में आज हुई हिंसा को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हर कनाडाई को अपने धर्म का स्वतंत्र और सुरक्षित तरीके से पालन करने का अधिकार है।

बढ़ रहा है भारत का रूतबा

मौजूदा दौर भारत का है और भारत इस समय विश्व मानचित्र पर मजबूत स्थिति में है। मनोज दीक्षित कहते हैं कि भारत किसी भी युद्ध में शामिल नहीं है और किसी भी युद्ध में अलग नहीं है। हमारी अर्थव्यवस्था दुनिया के सामने चिंता का विषय बन गयी है। वह कहते हैं कि डिप्लोमेटिक संबध चीन के साथ समाप्त नहीं हुए तो कनाडा के साथ कैसे हो जाएंगे? हा वीजा में कमिया आ गयी है। इमीग्रेशन का कोटा कनाडा ने कम कर दिया है। यह सब चीजे नुकसान करती है। अगले साल कनाडा में चुनाव है और तबतक ऐसे ही चलता रहेगा।

फाइव आई को खल गया

हम आप को बताते हैं कि इन मुददों के बरअक्स भी ऐसे कुछ मुददे हैं जिनके कारण राजनीतिक आग भड़क गयी है। हुआ यह कि पिछले कुछ दिनों पहले भारत ब्रिक्स में शामिल हुआ। रूस, चीन के साथ रिश्तों में ताजगी अयी। भारत की यह धमाकेदार एंट्री फाइव आई को खल गयी। फाइव आई न्यूजीलैंड, कनाडा, आस्ट्रेलिया, यूके और यूएस का संगठन है जो आपसी तालमेल के साथ सूचनाओं आदि का आदान प्रदान करता है।

अपनो के लिए बढ़ गयी है चिंता

लखनऊ के अमित जोकि कनाडा के टोरेंटो में रहते हैं ने बताया कि वैंकूवर में स्थिति समान्य नहीं है। बाकी जगह पर हालात ठीक है। ऐसा नहीं है कि लोग सड़कों पर नहीं चल रहे या टेंशन है। ऐसी बात नहीं है लेकिन आज की इस घटना ने बता दिया है कि बात आगे निकल गयी है और दिलो दिमाग में चलने वाली चीजें अब सड़कों पर उतार आयी है।

निज्जर की हत्या ने खराब किये हालात

विदेशी मामलों के जानकार मनोज दीक्षित कहते हैं कि यह सिर्फ शुद्ध पालिटिक्स है। पीएम ट्रूडो की सरकार खालिस्तानी राजनीतिक दल के सपोर्ट के सहारे चल रही है। ऐसे में सरकार गठन से पहले ही कामन मिनिमन प्रोग्राम में चीजें तय थी

और सबकुछ सही चल रहा था। लेकिन निज्जर की हत्या ने हालात खराब कर दिये। अब यदि पीएम ट्रूडो खालिस्तानियों को सपोर्ट नहीं करते हैं तो सरकार गिरती है और अगर सपोर्ट करते हैं तो भारत के साथ रिश्ते खराब होते हैं।

ब्रैम्पटन में तनाव ही तनाव

घटना के बाद से इलाके में तनाव है। भारी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई है। पील रीजनल पुलिस चीफ निशान दुरईप्पा ने लोगों से संयम बरतने की अपील की है। कनाडा में भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में हिंसा की वीडियो शेयर करते हुए कहा है कि कनाडा के राजनीतिक तंत्र के अलावा, खालिस्तानियों ने हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों में भी प्रभावी ढंग से घुसपैठ कर ली है। आज की घटना कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों के रेड लाइन को पार कर लेने की है। ये हमला दिखाता है कि कनाडा में खालिस्तानी हिंसक उग्रवाद कितना गहरा हो गया है।

उच्चायोग का अफसर तलब

भारत ने कनाडा के उस बयान पर आपत्ति जताई है, जिसमें कहा गया था कि कनाडा में खालिस्तानियों पर एक्शन के पीछे गृह मंत्री अमित शाह हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि एक नवंबर को कनाडाई उच्चायोग के अफसर को तलब किया गया। इस दौरान कहा गया कि अमित शाह पर लगाए आरोप निराधार और बेतुके हैं। कनाडाई अधिकारी जानबूझकर भारत को बदनाम करने की रणनीति के तहत आरोप लगा रहे हैं। फिर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इसे लीक करते हैं। इससे दोनों देशों के संबंधों पर गंभीर असर पड़ेगा। दरअसल, कनाडा के विदेश उप-मंत्री डेविड मॉरिसन ने 29 अक्टूबर को एक संसदीय पैनल में दावा किया था कि अमित शाह ने कनाडा में सिख खालिस्तानियों को निशाना बनाने का आदेश दिया

रणधीर जायसवाल, विदेश मंत्रालय प्रवक्ता

था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को पत्रकारों के सवालों का जवाब दिया। रणधीर जायसवाल ने कहा, हमारे कुछ वाणिज्य दूतावास अधिकारियों को हाल ही में कनाडा सरकार की तरफ से सूचना दी गई थी कि वे ऑडियो और वीडियो निगरानी में हैं। उनके कम्युनिकेश को भी बाधित किया गया है।हमने औपचारिक रूप से इसका भी विरोध किया है। हम ऐसे काम को राजनयिक और वाणिज्य कन्वेंशन का उल्लंघन मानते हैं। तकनीकी बातों का हवाला देकर, कनाडा सरकार इस चीज को सही नहीं ठहरा सकती है। हमारे राजनयिक पहले से ही उग्रवाद और हिंसा के माहौल में काम कर रहे हैं। दिवाली सेलिब्रेशन कैंसिल करने पर भी बोले जायसवाल कनाडा में दिवाली सेलिब्रेशन कैंसिल होने पर प्रवक्ता ने कहा- हमने इससे जुड़ी कुछ खबरें सुनी हैं। यह बहुत दुखद है कि वहां पर माहौल इस स्तर पर पहुंच गया है। कनाडा की संसद पार्लियामेंट हिल में दिवाली उत्सव रद्द करने की खबरें सामने आईं थी। रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि भारत के साथ चल रहे राजनयिक गतिरोध के बीच दिवाली समारोह को रद्द कर दिया गया।

हिंसा हमारे संकल्पों को कमजोर नहीं कर सकती : जयशंकर

विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने मंगलवार को अपने बयान में कहा कि सोमवार को खालिस्तानी झंडे लिए प्रदर्शनकारियों द्वारा टोरंटो के पास कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में की गई हिंसा बेहद चिंताजनक है। विदेश मंत्री एस जयशंकर इन दिनों ऑस्ट्रेलिया के आधिकारिक दौरे पर हैं और वहीं से उन्होंने यह बयान दिया। इसके अलावा सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में भी विदेश मंत्री ने कनाडा की घटना पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि मैं कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने के कायराना प्रयास भी उतने ही भयावह हैं। हिंसा के ऐसे कृत्य

कभी भी भारत के संकल्प को कमजोर नहीं कर सकते। हम उम्मीद करते हैं कि कनाडा सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी और कानून व्यवस्था बनाए रखेगी। विदेश मंत्री ने कहा कनाडा में चरमपंथी ताकतों को पॉलिटिकल स्पेस दिया जा रहा है। कनाडा की तरफ से भारतीय राजनयिकों की निगरानी रखी जा रही है जो अस्वीकार्य है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आखिर कब थमेगी हादसों की मार!

भारत दुनिया भर में सड़क हादसों में होने वाले मौत के मामले में नंबर वन है, इस मामले में भारत से बेहतर हालत में पाकिस्तान और कई अफ्रीकी देश हैं, भारत के उत्तराखंड में हमेशा से अधिक सड़क हादसे होते रहे हैं, पहाड़ी राज्य और बड़ी-बड़ी खाई के साथ-साथ कई सुरक्षा संबंधी चूक भी इन हादसों के लिए जिम्मेदार रहे हैं। इन हादसों में कुल मारे गए व्यक्तियों की संख्या सबसे अधिक रही है।

पिछले एक साल में कई सड़क हादसे हुए। ये सारे हादसे जानलेवा रहे। इन हादसों में एक से लेकर पचासों की संख्या में मानव जीवन अकाल मौत के शिकार हो गए। प्रथम दृष्टया इन हादसों के पीछे कारण मानवीय त्रुटि है। अब सवाल ये उठता है कि इन हादसों का जिम्मेदार कौन है। मानवीय भूल या लापरवाही। वहीं जब हादसे हो जाते हैं तो मीडिया से लेकर चारों ओर शोर मचता है। फिर शासन-प्रशासन द्वारा जांच की बात कहकर इतिश्री कर ली जाती है फिर दूसरे हादसे के बाद ही चर्चा होती है ये सिलसिला चलता रहता है। दरअसल,उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में सोमवार को एक बस के गहरी खाई में गिर जाने से अब तक 38 लोगों की मौत की पुष्टि हो गयी है। वहीं कुछ अन्य घायल हैं, इस दर्दनाक हादसे के बाद एक बार फिर भारत में सड़क सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। भारत दुनिया भर में सड़क हादसों में होने वाले मौत के मामले में नंबर वन है, इस मामले में भारत से बेहतर हालत में पाकिस्तान और कई अफ्रीकी देश हैं, भारत के उत्तराखंड में हमेशा से अधिक सड़क हादसे होते रहे हैं, पहाड़ी राज्य और बड़ी-बड़ी खाई के साथ-साथ कई सुरक्षा संबंधी चूक भी इन हादसों के लिए जिम्मेदार रहे हैं।

इन हादसों में कुल मारे गए व्यक्तियों की संख्या सबसे अधिक रही है। सरकार की तरफ से कई कदम उठाए जाते रहे हैं. हालांकि अभी भी यह एक बड़ी चुनौती के तौर पर है। उत्तराखंड जैसे राज्यों में सड़क हादसों के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं,उत्तराखंड का अधिकांश हिस्सा पहाड़ी है, जहां सड़कें संकरी और घुमावदार होती हैं ऐसे में अगर बस का सही रख रखाव नहीं हुआ तो इस तरह के हादसे होते हैं, खड़ी ढलानों से जब बसें नीचे की तरफ आती है तब कई बार ब्रेक फैल होने की संभावना रहती है, बारिश, बर्फबारी और बादलों के कारण भी कई बार हादसे होते हैं। हालांकि कई ऐसे फैक्टर हैं जिनके लिए व्यवस्था की कमी जिम्मेदार हैं, शराब पीकर गाड़ी चलाना। खराब सड़कें भी इसके लिए जिम्मेदार है, खराब रखरखाव भी इसके लिए जिम्मेदार हैं, ब्रेक, टायर जैसी चीजों में समस्या के कारण भी इस तरह के हादसे होते हैं. भारत की सड़कों पर ओवरटेकिंग, गलत लेन में गाड़ी चलाना और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन आमतौर पर देखी जाती है। यातायात से जुड़े महकमों को अपनी जिम्मेदारी में गंभीरता लाना होगा। उन्हें लोगों में यातायात नियमों की जानकारी देने के साथ-साथ जागरूक भी करना होगा तभी हादसों में कुछ कमी आ सकती है। कुल मिलाकर हादसों से बचने के लिए सरकारों को कोई ठोस उपाय करने होंगे। क्योंकि मानव जीवन अमूल्य है। देश के प्रत्येक नागरिक कर जीवन हादसों में जाया नहीं होना चाहिए।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हार की सीढ़ियों से जीत की मंजिल तक

रेनू सैनी

किसी भी कार्य में जीत व्यक्ति के तन-मन को जोश और हौसले से भर देती है। क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिले हैं जो हारना चाहता हो। शायद नहीं मिले होंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि लोगों के दिमाग में एक छवि बनी हुई है कि जो हार जाता है वह कमजोर, पराजित, नौसिखिया होता है। पर क्या वास्तव में ऐसा है? क्या हारने वाला व्यक्ति सचमुच ऐसा होता है? नहीं, बिल्कुल नहीं। अगर ऐसा होता तो कई बार असफल होने वाले थॉमस अल्वा एडीसन बल्ब का आविष्कार न कर पाते। उम्र के अधिकतर मौकों पर हारने वाले अब्राहम लिंकन अमेरिका के सबसे सफल राष्ट्रपति के रूप में अमर न हो जाते। हार है तभी तो जीत है। यदि केवल जीत का ही विकल्प होता तो हार जैसे शब्द की उत्पत्ति ही न होती। हर दृष्टिकोण के दो पहलू होते हैं। एक तरफ जहां हार से लोग स्वयं को विवश और लाचार महसूस करते हैं, वहीं कई बार हार व्यक्ति के लिए नए अवसरों को उत्पन्न करती है।

कभी-कभी हारने पर व्यक्ति वह सब कुछ प्राप्त कर लेता है जो वह जीत कर भी हासिल नहीं कर सकता। इसलिए जीवन में बचपन से ही बच्चों को खेल-खेल में जान-बूझकर हारने के बारे में बताना बहुत जरूरी है। ऐसा करने से बच्चे प्रारंभ से ही हार को सामान्य तरह से लेना सीख जाएंगे। एक जापानी वाक्यांश 'माकेरु गा काची' यही बताता है। इसका हिन्दी में अनुवाद है 'हारना जीतना है।' 'माकेरु गा काची' यह विचार व्यक्त करता है कि, 'हार को न केवल हृदय से स्वीकार करो अपितु कभी-कभी किसी विशेष स्थिति में हार मान लेने को भी जीवन से जोड़ लो। जब व्यक्ति जान-बूझकर हारता है तो वह जीवन में अच्छे मित्रों को प्राप्त कर लेता है और अधिक तरक्की करता है। 'माकेरु गा काची' की अवधारणा हमें यह बताती है कि कई बार हम अपने अहं के कारण सही मायनों में जीत और हार की व्याख्या को समझने में भूल कर जाते हैं। इसलिए सदैव जीत को अपने व्यक्तित्व का प्रश्न नहीं बनाना चाहिए। हारने के बाद जीवन में आश्चर्यजनक तरीके से वह सब कुछ प्राप्त किया जा सकता है जो जीत नहीं दे सकती।

जीत यदि मंजिल है तो हार सीढ़ियां हैं। मंजिल तक पहुंचने की कोई लिफ्ट नहीं होती। वहां पर एक-एक सीढ़ी के पड़ाव को पार करना ही पड़ता है। लिफ्ट वह सबक कभी नहीं सिखा सकती जो एक-एक सीढ़ी पार करने के बाद

व्यक्ति सीखता है। एक-एक सीढ़ी ऊपर चढ़ने के बाद ही जीत के सही मायने समझ में आते हैं। यदि कोई व्यक्ति हार जाता है तो इसका अर्थ होता है कि उसने मंजिल पार करने के लिए कदम बढ़ाने आरंभ कर दिए हैं। मगर कोई व्यक्ति शुरुआत ही नहीं करता तो वह 'माकेरु गा काची' को कभी समझ ही नहीं सकता। सीधी-सी बात है जो आगे बढ़ेगा वही हारेगा और वही एक दिन जीतेगा भी। इसलिए हारना ही जीतना है। हार ऐसे सबक सिखाती है जो सीधे जीत कर भी नहीं मिल पाते। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति के अपने जीवन में हार का भी मुस्करा कर स्वागत करना चाहिए। हार बताती है कि व्यक्ति जीवंत है, उसके अंदर कुछ कर गुजरने की अग्नि धधक रही है। यही अग्नि प्रज्वलित होकर कीर्ति रचती है। सम्राट अशोक को पूरी दुनिया जानती है। उन्हें आज पूरी दुनिया बौद्ध धर्म के प्रचारक के रूप में जानती है। उनका अहिंसा की स्थापना करने में महत्वपूर्ण रोल था। लेकिन वे सदैव ऐसे नहीं थे। पहले उनका दूर-दूर तक अहिंसा से कोई लेना-देना नहीं था। वे एक महान योद्धा थे। उन्होंने कलिंग का युद्ध लड़ा। ऐसा माना जाता है कि यह एक बहुत भयानक युद्ध था। इस युद्ध में असंख्य लोग मारे गए थे। जब अशोक विजय के दंभ में चूर अपनी माता को यह संदेश देने पहुंचे तो उनकी माता ने उन्हें झकझोरते हुए कहा, 'तुमने कभी सोचा है कि इस जीत से तुम्हें क्या प्राप्त हुआ है? कुछ नहीं। इस जीत में तुमने मानवता को खो दिया है। असंख्य महिलाओं ने अपने पति, पिता और पुत्र को खो दिया है। तुम्हें उनकी बद्दुआएं लगी हैं। युद्ध जीतना जीत नहीं है। मां ने कहा— वास्तविकता तो लोगों के मन को जीतना है, लोगों को जीतना है। यदि तुम सचमुच जीतना चाहते हो तो पहले हारना सीखो। जान-बूझकर हारो ताकि लोग तुम्हारे करीब आएं, तुम्हें अपनाएं। यह बात अशोक के अंतर्मन को छू गई। बस उसी दिन से उन्होंने हिंसा को त्याग दिया और निर्णय किया कि मैं अब कभी युद्ध नहीं करूंगा? उन्होंने 'माकेरु गा काची' की अवधारणा को लेकर चलना आरंभ कर दिया और इसी अवधारणा ने उन्हें आज अमर बना दिया। वर्तमान समय में 'माकेरु गा काची' की अवधारणा को व्यक्ति हर स्तर पर कर सकता है। इसे संबंधों, शिक्षा, रोजगार हर स्तर पर प्रयोग किया जा सकता है। कुछ समय बाद आप भी इस बात को समझ जाएंगे कि वास्तव में हारना ही जीतना है। केवल एक बार ऐसा करके देखें, आप जीवन के विशाल फलक को देख पाएंगे।

परमाणु शक्ति से क्षुद्रग्रह संकट टालने की कोशिश

मुकुल व्यास

यदि कोई क्षुद्रग्रह पृथ्वी की तरफ खतरनाक ढंग से बढ़ता है तो क्या हम उसे रोक पाएंगे? वैज्ञानिक भविष्य में क्षुद्रग्रह के प्रहारों से बचने के लिए कई तरह के उपायों पर विचार कर रहे हैं। एक नए अध्ययन के अनुसार, एक परमाणु बम पृथ्वी को क्षुद्रग्रह के प्रभाव से बचा सकता है। प्रयोगशाला में दुनिया के सबसे शक्तिशाली जेड मशीन विकिरण स्रोत का उपयोग करके किए गए नए प्रयोग ने प्रदर्शित किया कि एक क्षुद्रग्रह के करीब परमाणु बम को विस्फोटित करके क्षुद्रग्रह की दिशा बदलने के लिए पर्याप्त बल उत्पन्न किया जा सकता है।

न्यू मैक्सिको की सैंडिया नेशनल लेबोरेटरी में जेड मशीन विकिरण स्रोत का संचालन करने वाली टीम का कहना है कि परमाणु विस्फोट द्वारा उत्पन्न शक्तिशाली एक्स-रे तरंगें क्षुद्रग्रह की सतह को वाष्पित करके उसकी दिशा मोड़ देंगी। इस अध्ययन के मुख्य लेखक नाथन मूर ने कहा, अधिकांश लोगों को क्षुद्रग्रहों से खतरा बहुत दूर की बात लगती है। लेकिन हमारा ग्रह हर दिन छोटे आकार के क्षुद्रग्रहों से टकराता है। हम उन्हें शूटिंग स्टार कहते हैं। हम किसी बड़े क्षुद्रग्रह के दिखने का इंतजार नहीं करना चाहते। हम उसकी दिशा बदलने के सही तरीके खोजना चाहते हैं। पिछले साल अमेरिका की नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी जिसमें कहा गया था कि ग्रहों की सुरक्षा एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है। विभिन्न मॉडलों ने दिखाया था कि परमाणु बम द्वारा बनाई गई शॉकवेव आने वाले क्षुद्रग्रह को सफलतापूर्वक मोड़ने के लिए पर्याप्त बल प्रदान कर सकती है। लेकिन इन परिदृश्यों में हानिरहित रूप से पथ से हटाए गए क्षुद्रग्रहों को दशकों पहले देखा गया था। चिंताजनक बात यह है कि इस समय चल रहे नासा के आकाश सर्वेक्षण ने अनुमान लगाया है कि पृथ्वी के निकट लगभग 25,000 ऐसी वस्तुएं मौजूद हैं जो बड़े विनाश का कारण बन सकती हैं। इनमें से कई सूर्य की चमक से छिपी हुई हैं, इसलिए संभावित रूप से खतरनाक क्षुद्रग्रहों में केवल एक-तिहाई की ही पहचान की जा सकी है।

न्यू मैक्सिको स्थित प्रयोगशाला में मूर और उनकी टीम ने एक छोटे सिलिका पत्थर के आकार के नकली क्षुद्रग्रह को जेड मशीन की एक्स-रे पल्स से विकिरणित किया। शोधकर्ताओं ने बिल्कुल सही समय पर 'सिलिका क्षुद्रग्रह' को प्रयोगशाला के वातावरण के भीतर 'अंतरिक्ष' में छोड़ा। उन्होंने वातावरण का अनुकरण करने के लिए एक वैक्यूम बनाया था। उन्होंने एक्स-रे द्वारा नकली क्षुद्रग्रह की सतह को वाष्पित करने से पहले एक सेकंड के एक अरबवें हिस्से के भीतर उसे छोड़ दिया। प्रयोग में क्षुद्रग्रह आगे खिसक गया। कई विज्ञानियों ने पहले यह विचार रखा था कि शक्तिशाली एक्स-रे विस्फोट एक बहुत बड़ी अंतरिक्ष चट्टान को उसके मार्ग से हटाने का विकल्प हो सकता है, लेकिन इसका कभी परीक्षण नहीं किया गया था। नया प्रयोग इस सिद्धांत का पहला प्रायोगिक प्रदर्शन है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर पर्याप्त चेतावनी या सतर्कता हो तो इस विधि का इस्तेमाल बहुत बड़े क्षुद्रग्रहों पर किया जा सकता है।

सिद्धांत रूप में, अगर आपके पास पर्याप्त समय हो तो आप डायनासोर को मारने वाले क्षुद्रग्रह को रास्ते से हटा सकते हैं। दुनिया भर की अंतरिक्ष एजेंसियां पहले से ही लंबे समय तक चेतावनी देने वाले क्षुद्रग्रहों की दिशा मोड़ने के संभावित तरीकों पर काम कर रही हैं। नासा के डार्ट मिशन ने दो साल पहले एक हानिरहित क्षुद्रग्रह, डिमोर्फोस को सफलतापूर्वक अपने मार्ग से हटा दिया था। इस बीच, एक नए अध्ययन से पता चला है कि 6.6 करोड़ वर्ष पहले पृथ्वी से टकराने वाला और डायनासोर का सफाया करने वाला विशाल क्षुद्रग्रह अकेला नहीं था। वैज्ञानिकों का कहना है कि उसी युग में पश्चिम अफ्रीका के तट से दूर समुद्र में एक दूसरी, छोटी अंतरिक्ष चट्टान टकराई थी,जिससे एक बड़ा गड्ढा बन गया। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह एक 'विनाशकारी घटना' रही होगी। इससे अटलांटिक महासागर में कम से कम 800 मीटर ऊंची सुनामी आई होगी। दुबई स्थित हेरियट-वाट विश्वविद्यालय के डॉ. उइसडीन निकोलसन ने सबसे पहले 2022 में नादिर क्रेटर की खोज की थी। लेकिन यह क्रेटर वास्तव में कैसे बना, इस बारे में अनिश्चितता बनी हुई थी। अब डॉ. निकोलसन और उनके सहयोगियों को यकीन है कि 9 किलोमीटर का गड्ढा समुद्र तल में एक क्षुद्रग्रह के टकराने के कारण हुआ था। ये वैज्ञानिक इस घटना की सटीक तारीख नहीं बता सकते। वे यह भी नहीं बता सकते कि क्या यह मैक्सिको में 180 किलोमीटर चौड़े चिक्सुलब क्रेटर बनाने वाले क्षुद्रग्रह से पहले आया था या बाद में।

मैक्सिको पर गिरने वाले क्षुद्रग्रह ने दुनिया में डायनासोर के शासन को समाप्त कर दिया था। लेकिन इन वैज्ञानिकों का कहना है कि अंतरिक्ष से छोटी चट्टान भी क्रेटेशियस काल के अंत में आई थी जब डायनासोर विलुप्त हो गए थे। दूसरे क्षुद्रग्रह ने पृथ्वी के वायुमंडल से टकराने के बाद आग का गोला बना दिया था। नादिर क्रेटर की कोई तस्वीर नहीं है लेकिन ऑस्ट्रेलिया में गॉसेस ब्लफ क्रेटर ऐसा ही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 7 तीव्रता के भूकंप से पहले एक बहुत तेज हवा का विस्फोट हुआ होगा। संभवत: समुद्र तल से बहुत अधिक मात्रा में पानी निकल गया होगा,और बाद में यह पानी वापस बहकर समुद्र तल पर आया होगा,जिससे तल पर अनोखी छाप बनी होगी। हमारे सौरमंडल से इतने बड़े क्षुद्रग्रहों का कुछ ही समय के भीतर हमारे ग्रह की ओर अग्रसर होना असामान्य घटना है। लेकिन शोधकर्ता यह नहीं जानते कि दो क्षुद्रग्रह एक साथ पृथ्वी से क्यों टकराए। नादिर क्रेटर बनाने वाला क्षुद्रग्रह लगभग 450-500 मीटर चौड़ा था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह लगभग 72,000 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पृथ्वी से टकराया था।

इन गांवों में घूमने का बनाएं प्लान

आजकल के समय में लोग अपना करियर बनाने की आपाधापी में इतने व्यस्त हैं कि वो खुद के लिए तो समय निकाल ही नहीं पा रहे। बड़े शहरों के शोर में लोगों के मन का सूकून तो जैसे कहीं खो सा गया है। ऐसे में लोग काफी चिड़चिड़े भी हो गए हैं। समय-समय पर अपने लिए वक्त निकालना काफी जरूरी सा हो गया है। ऐसा नहीं करने पर आप अपने काम में भी फोकस नहीं कर पाएंगे। ऐसे में अगर आप भी कहीं जाने का सोच रहे हैं, तो भारत में कुछ ऐसे गांव हैं, जो बेहद ही खूबसूरत हैं। ये गांव ऐसे हैं, जिनकी खूबसूरती देखने के बाद आपका मन वहां से आने का करेगा ही नहीं। जहां प्राकृतिक सुंदरता देखने के साथ काफी शांति भी मिलेगी।

पंगोट, उत्तराखंड

पंगोट उत्तराखंड में नैनीताल की कोसियाकुटोली तहसील का एक गांव है। ये नैनीताल से सिर्फ 45 मिनट की दूरी पर स्थित है। अगर आप कुछ दिन शांति में रहना चाहते हैं, तो पंगोट गांव आपके लिए एक बेहतर विकल्प है। यहां आने वाले पर्यटक यहां की सुंदरता और स्वच्छ आबो हवा को बेहद पसंद करते हैं। प्रकृति की गोद में बसी ये जगह आपको प्रकृति के और भी करीब लेकर जाएगी। नैनीताल से पंगोट तक का सफर भी रोमांच से भरा हुआ है। खूबसूरत जंगल के बीच टेड़े मेड़े रास्तों के बीच से होकर आप पंगोट तक पहुंचते हैं। पूरे रास्ते आप विराट हिमालय के सुंदर नजारों का दीदार करते हैं। यहां से दिखने वाली पूरी हिमालय रेंज आपके दिल को छू जाएगी।

खज्जियार, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश में कई एक से बढ़कर एक खूबसूरत पर्यटन स्थल हैं। उन्हीं में एक ये खूबसूरत सा गांव भी शामिल है। अगर आप प्राकृतिक सौंदर्य देखने के शौकीन हैं, तो इस गांव में जाने का प्लान बना लें। ये जगह हिमाचल के खूबसूरत डलहौजी से लगभग 26 किमी दूर है। खजियार झील के चारों तरफ घिरे देवदार के पेड़ों की झील के नीले पानी में बहुत ही सुंदर परछाइयां दिखती हैं। यहां आने के बाद एहसास होगा कि आप स्विट्जरलैंड में हैं। खजियार झील चंबा जिले में समुद्र तल से 1,920 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

पूवर, केरल

ये छोटा सा गांव तिरुवनंतपुरम के दक्षिणी सिरे पर स्थित है। यहां की खूबसूरती देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां के सुंदर समुद्र तट ऐसे हैं, कि अगर आप यहां गए तो कुछ दिन तक तो वापस आने का मन नहीं करेगा। सबसे शांत बैकवाटर से घिरा हुआ, अरब सागर और एक स्वप्निल सुनहरी रेत वाले समुद्र तट की ओर खुलता हुआ, पूवर आइलैंड रिज़ॉर्ट वास्तव में स्वर्ग की एक खिड़की है। समुद्र तट के किनारे 25 एकड़ के हरे-भरे नारियल के बगीचों में निर्मित, रिज़ॉर्ट में वर्तमान में सुंदर भूमि आधारित सुपीरियर कमरे हैं, जो एक प्राकृतिक लिली तालाब पर स्विमिंग पूल के चारों ओर बने हैं और भारत में फ्लोटिंग कॉटेज और विला के लिए अद्वितीय है जो बैकवाटर पर तैरते हैं और समुद्र का सामना करते हैं।

मलाना, हिमाचल प्रदेश

अगर हिमाचल प्रदेश जाने का प्लान कर रहे हैं, तो मलाना जरूर घूमकर आएं। यहां आपको काफी शांति मिलेगी। कुल्लू जिले के मलाणा गांव का अपना अलग ही कानून है। इस गांव में पर्यटकों के कुछ भी छूने पर प्रतिबंध लागू है। यहां लगाए गए नोटिसों में लिखा गया है कि अगर बाहरी लोगों ने यहां की किसी भी चीज को छुआ तो उन्हें 1,000 रुपये जुर्माना भरना पड़ेगा। ये जुर्माना 2,500 रुपये तक लगाया जा सकता है। बाहर से घूमने आए लोग यहां की दुकानों में रखे सामान तक को नहीं छू सकते हैं। यहां आने वाले पर्यटक खाने-पीने का सामान खरीदने के लिए भी पैसे दुकान के बाहर रख देते है। इसके बाद दुकानदार पर्यटक की बताई चीज दुकान के सामने जमीन पर रख देता है।

हंसना मना है

दो महिलाएं एक फंक्शन में गईं। वहां पहली महिला जिस भी जगह बैठने लगती तो..दूसरी महिला उसकी बैठने की जगह को अपने दुपट्टे से साफ कर देती। तब किसी ने दूसरी महिला से पूछा कि तू खुद की बजाय, इस औरत की जगह क्यों साफ कर रही है? तो वो महिला बोली, क्या करूं बहना? ये मेरी जेठानी है ! और ये आज मेरी साड़ी पहन कर.. आई है।

गांव में आधार कार्ड बन रहा था। कम्प्यूटर ऑपरेटर ने एक महिला से पूछा- तुम्हारे घरवाले का क्या नाम है? महिला बोली— हमारे यहां घरवाले का नाम नही लिया जाता। ऑपरेटर- कुछ हिंट दो मैं भर देता हूं। महिला बोली — 3 गंजी 3 गंजी। ऑपरेटर चकरा गया। तभी बगल में खड़ा एक लड़का बोला-छगनजी?

एक नीग्रो बस में अपने बच्चे के साथ जा रहा था। कंडक्टर ने उसका बच्चा देखकर कहा- इतना काला बच्चा मैंने आज तक नहीं देखा, नीग्रो को गुस्सा आया, लेकिन वो कुछ नहीं बोला और सीट पर आकर मुह फुलाकर बैठ गया। संता ने उससे पूछा-क्या हुआ भाई साहब? नीग्रो ने कहा- अरे यार, उस कंडक्टर ने बेइज्जती कर दी। संता- अरे मार साले को जाकर ला ये चिम्पांजी का बच्चा मुझे पकड़ा दे। साला काटेगा तो नहीं...

कहानी | मन की शांति कैसे प्राप्त करें?

सेठ अमीरचंद के पास अपार धन दौलत थी। उसे हर तरह का आराम था, लेकिन उसके मन को शांति नहीं मिल पाती थी। हर पल उसे कोई न कोई चिंता परेशान किये रहती थी। एक दिन वह कहीं जा रहा था तो रास्ते में उसकी नजर एक आश्रम पर पड़ी। वहां उसे किसी साधु के प्रवचनों की आवाज सुनाई दी। उस आवाज से प्रभावित होकर अमीरचंद आश्रम के अन्दर गया और बैठ गया। प्रवचन समाप्त होने पर सभी व्यक्ति अपने अपने घर को चले गये। लेकिन वह वहीं बैठा रहा। उसे देखकर संत बोले- कहो, तुम्हारे मन में क्या जिज्ञासा है, जो तुम्हें परेशान कर रही है। इस पर अमीरचंद बोला- बाबा, मेरे जीवन में शांति नहीं है। यह सुनकर संत बोले- घबराओ नहीं तुम्हारे मन की सारी अशांति अभी दूर हो जायेगी। तुम आंखे बन्द करके ध्यान की मुद्रा में बैठो। संत की बात सुनकर ज्यों ही अमीरचंद ध्यान की मुद्रा में बैठा त्यों ही उसके मन में इधर-उधर की बातें घूमने लगीं और उसका ध्यान उचट गया। सेठ बोला- चलो, जरा आश्रम का एक चक्कर लगाते हैं। इसके बाद वे आश्रम में घूमने लगे। अमीर चंद ने एक सुंदर वृक्ष देखा तथा उसे हाथ से छुआ। हाथ लगाते ही उसके हाथ में एक कांटा चुभ गया और सेठ बुरी तरह चिल्लाने लगे। यह देखकर संत वापस अपनी कुटिया में आए। कटे हुए हिस्से पर लेप लगाया। कुछ देर बाद वह सेठ से बोले- तुम्हारे हाथ में जरा-सा कांटा चुभा तो तुम बेहाल हो गए। सोचो कि जब तुम्हारे अन्दर ईर्ष्या, क्रोध व लोभ जैसे बड़े-बड़े कांटे छिपे हैं, तो तुम्हारा मन भला शांत कैसे हो सकता है ? संत की बात से सेठ अमीरचंद को अपनी गलती का अहसास हो गया। वह संतुष्ट होकर वहां से चला गया। उसके बाद सेठ अमीरचंद ने कभी भी ईर्ष्या नहीं की, क्रोध का भी त्याग कर दिया।

7 अंतर खोजें

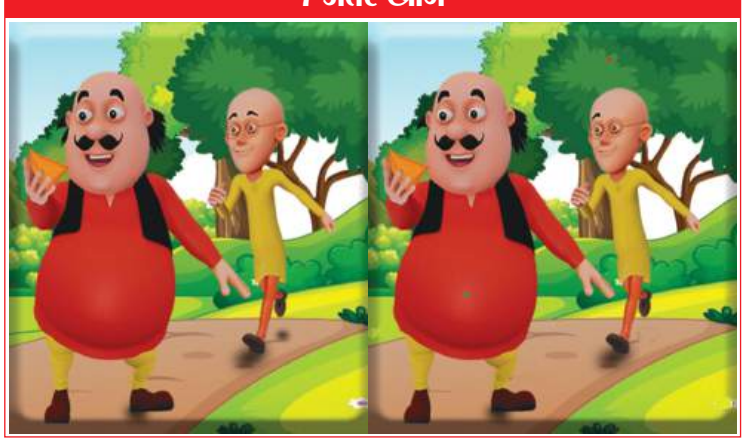

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नौकरी में अधिकारी का सहयोग तथा विश्वास मिलेगा। पारिवारिक व्यस्तता रहेगी। आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। विवेक से कार्य करें।

वृषभ

लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। शत्रु भय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी। नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी। शत्रु पराजित होंगे।

मिथुन

मान-सम्मान मिलेगा। कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्त्री कष्ट संभव। कलह से बचें। कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे।

कर्क

आज देव दर्शन के योग बनेंगे। राज्य से लाभ होने की संभावना। मातृ पक्ष की चिंता दूर होगी। वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें। धनागम की संभावना। विवाद न करें।

सिंह

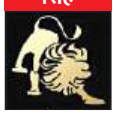

आज आपका स्वास्थ्य ठीक होगा। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। झंझटों में न पड़ें। आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना।

कन्या

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। नेत्र पीड़ा की संभावना। धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा। शत्रु से परेशान होंगे। अपमान होने की संभावना।

तुला

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम सुस्त रहेगा। कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। कुछ लाभ की संभावना। चिंताएं कुछ कम होंगी।

वृश्चिक

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना। कुसंग से हानि। धनागम सुखद रहेगा।

धनु

व्यर्थ भागदौड़ होगी। भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना। लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा। दु:समाचार प्राप्त होंगे। भय, पीड़ा व भ्रम की स्थिति बन सकती है।

मकर

यात्रा के योग बनेंगे। कुछ कष्ट होने की संभावना। लाभ के योग बनेंगे। स्त्री वर्ग को कष्ट। कुसंग से कष्ट। कलहकारक दिन रहेगा। अपनी तरफ से बात को बढ़ावा न दें।

कुम्भ

आय में वृद्धि होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। चिंताएं जन्म लेंगी। स्त्री पीड़ा, कुछ लाभ की आशा करें।

मीन

आज अचानक अच्छा धन लाभ होगा। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। अस्वस्थता का अनुभव करेंगे।

अजय देवगन की सिंघम अगेन ने तीन दिन में कमा डाले 100 करोड़

अजय देवगन का दिवाली धमाका थिएटर्स में लगातार धमाल मचाए हुए है। 10 साल बाद अपनी खुद की कहानी लेकर लौटा उनका सुपरकॉप अवतार सिंघम, जनता को जमकर थिएटर्स तक खींचने में कामयाब रहा।

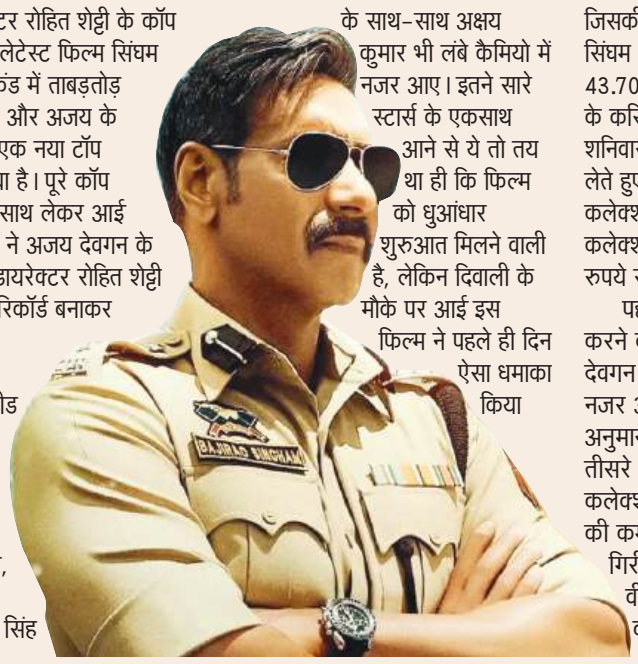

डायरेक्टर रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की लेटेस्ट फिल्म सिंघम अगेन ने वीकेंड में ताबड़तोड़ कमाई की है और अजय के करियर को एक नया टॉप मोमेंट दे दिया है। पूरे कॉप यूनिवर्स को साथ लेकर आई सिंघम अगेन ने अजय देवगन के साथ-साथ डायरेक्टर रोहित शेट्टी को भी टॉप रिकॉर्ड बनाकर दिया है।

अजय देवगन के लीड रोल वाली फिल्म में दीपिका पादुकोण, करीना कपूर, टाइगर श्रॉफ और रणवीर सिंह के साथ-साथ अक्षय कुमार भी लंबे कैमियो में नजर आए। इतने सारे स्टार्स के एकसाथ आने से ये तो तय था ही कि फिल्म को धुआंधार शुरुआत मिलने वाली है, लेकिन दिवाली के मौके पर आई इस फिल्म ने पहले ही दिन ऐसा धमाका किया जिसकी आवाज बहुत जोरदार थी। सिंघम अगेन ने शुक्रवार की शुरुआत 43.70 करोड़ रुपये से की, जो अजय के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग है। शनिवार को फिल्म ने हल्का सा जंप लेते हुए 44.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया और फिल्म का कलेक्शन 2 ही दिन में 88 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया।

पहले दो दिन जबरदस्त कमाई करने के बाद तीसरे दिन से अजय देवगन की फिल्म थोड़ी स्लो पड़ती नजर आई। ट्रेड रिपोर्ट्स के शुरुआती अनुमान कहते हैं कि सिंघम अगेन ने तीसरे दिन 37-38 रुपये की रेंज में कलेक्शन किया है। तीसरे दिन फिल्म की कमाई पिछले दो दिनों के मुकाबले गिरी जरूर, लेकिन फिल्म ने पहले वीकेंड में ही 100 करोड़ रुपये का माइलस्टोन बड़े आराम से पार कर लिया है।

अनुमान के हिसाब से पहले 3 दिन के धुआंधार थिएट्रिकल रन के बाद सिंघम अगेन का कलेक्शन करीब 125 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है। ये अजय देवगन और डायरेक्टर रोहित शेट्टी के करियर का सबसे बड़ा ओपनिंग वीकेंड कलेक्शन है। पहले 3 दिन में तो अजय की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भरपूर दम दिखाया है, अब ये देखना दिलचस्प होगा कि बड़ी-बड़ी फिल्मों की कमाई के लिए स्पीड-ब्रेकर बनकर आने वाला पहला सोमवार क्या असर दिखाता है।

तृप्ति डिमरी से भद्दा मजाक करने पर ट्रोल हुए डफली

कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित की फिल्म भूल भुलैया 3 आखिरकार सिनेमाघरों में आ गई है। पिछले कुछ हफ्तों से इसके एक्टर्स फिल्म के प्रचार में व्यस्त हैं। इसी कारण से डायरेक्टर अनीस बज्मी के साथ कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी और विद्या बालन द ग्रेट इंडियन कपिल शो में पहुंचे। हालांकि, एपिसोड के दौरान सुनील ग्रोवर के किरदार डफली ने तृप्ति से जो एक सवाल पूछा, उससे नेटिजन्स नाराज हो गए। डफली ने सबसे पहले उनसे पूछा कि क्या वह वही हैं जो फिल्म एनिमल में थीं और तृप्ति ने कहा वो वही थीं। फिर डफली ने उनसे फिल्म में रणबीर के साथ उनके बोल्ड सीन्स के बारे में सवाल किया और पूछा कि क्या वे असली थे या नकली। डफली ने कहा, ये जो आपने रणबीर कपूर के साथ किया है, मुझे उम्मीद है कि ये सिर्फ शूटिंग थी। ऐसा असली में तो कुछ नहीं था ना? तृप्ति जोर से हंस पड़ीं और कहा कि यह सीन नकली ही था। तब डफली खुशी से उछलने लगी और चिल्लाने लगी कि वे दोस्त बन सकते हैं। उन्होंने एक्ट्रेस को हाई फाइव भी दिया। तृप्ति ने खुद मजाक को काफी स्पोर्टी तरीके से लिया, हंसते हुए उन्होंने भी डफली को हाई-फाइव दिया लेकिन नेटिजन्स उनकी ओर से नाराज हैं। चुटकुले वाली क्लिप पर रेडिट पर चर्चा हो रही है और लोग घटिया मजाक के लिए शो की आलोचना कर रहे हैं। साथ ही, Redditors Triptii की तारीफ कर रहे हैं, जिन्होंने ये सब आसानी से संभाला।

बॉलीवुड | मन की बात

दीवाली की छुट्टियां मनाकर काम पर लौटीं सारा अली खान, कीं इमोशनल पोस्ट

सारा अली खान ने दिवाली खूब धूमधाम से मनाई। उन्होंने इसकी झलकियां अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से फैंस के साथ भी साझा की हैं। धनतेरस पर सारा केदारनाथ धाम के दर्शन करने पहुंची थीं। इसके बाद उन्होंने दिवाली पर भी खूब एंजॉय किया और परिवार के साथ यह त्योहार मनाया। भाई दूज के दिन उन्होंने भाई इब्राहिम के साथ तस्वीरें साझा कीं। दिवाली की छुट्टियां मनाकर सारा काम पर लौट चुकी हैं। उन्होंने पोस्ट साझा कर ये जानकारी दी है। सारा अली खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म की तैयारियों में जुटी हैं। इसमें वे आयुष्मान खुराना के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। दोनों सितारे पहली बार साथ काम करने वाले हैं। कहा जा रहा है कि यह एक जासूसी कॉमेडी फिल्म होगी। दिवाली की छुट्टियों के बाद सारा ने शूटिंग शुरू कर दी है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि शूटिंग इसी फिल्म की शुरू की है या किसी अन्य फिल्म की। सारा अली खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की है। यह तस्वीर फिल्म के सेट की है, जिसमें सुबह का नजारा है। उगता सूरज नजर आ रहा है। इसके साथ सारा ने लिखा है, दिवाली के बाद शूट डे। त्योहार के बाद हकीकत में लौट आए हैं। अभी उगते सूरज का इंतजार कर रहे हैं। सारा अली खान धनतेरस के अवसर पर केदारनाथ धाम दर्शन करने पहुंची थीं। उन्होंने यहां अपनी आगामी फिल्म के लिए भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। सारा भगवान शिव की अनन्य भक्त हैं। अक्सर उन्हें केदारनाथ यात्रा पर जाते देखा है। इस बार केदारनाथ यात्रा के दौरान सारा ने वहां स्थानीय बाजार में खूब खरीदारी की। बता दें कि सारा अली खान ने साल 2018 में केदरनाथ फिल्म से डेब्यू किया था।

पाताल लोक में बसा है यह गांव, यहां रहते हैं अमरीका के मूल निवासी रेड इंडियन

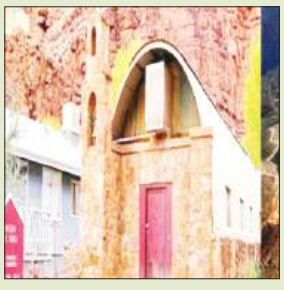

आपने कहानियों में स्वर्ग लोक और पाताल लोक के बारे में जरूर सुना होगा। कहते हैं कि पाताल लोक जमीन के नीचे बसा हुआ है। हालांकि यह सिर्फ किस्से कहानियों में ही सुनने और देखने को मिलता है। लेकिन एक ऐसा गांव है जो जमीन के हजारों फीट नीचे बसा है। आपने अब तक कई दुनिया के कई अजीबोगरीब गांवों के बारे में सुना होगा। जैसे किसी गांव में सिर्फ जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं। एक गांव ऐसा है जहां सिर्फ एक किडनी के लोग मिलते हैं। आज हम आपको ऐसे गांव के बारे में बता रहे हैं, जो जमीन से 3 हजार फीट नीचे बसा है। ये गांव अमरीका के ग्रैंड केनियन के हवासू केनियन में है। इस गांव का नाम सुपाई है।

दरअसल, अमरीका के प्रसिद्ध ग्रैंड कैनियन के पास हवासू कैनियन में सुपाई नाम का एक गांव है। ये गांव जमीन की सतह के नीचे तीन हजार फीट की पर बसा है। ये गांव दुनियाभर में इंटरनेट पर खूब सर्च किया जाता है। एडवेंचर को शौकीन लोग हर साल यहां घूमने आते हैं। इसे देखने के लिए हर साल दुनिया भर से करीब 55 लाख लोग एरिजोना आते हैं। ये गांव हवासू कैनियन के पास एक गहरी खाई में बसा हुआ है। बताया जाता है कि इस गांव की कुल आबादी 208 है। जमीन की सतह से करीब 3000 फुट नीचे बसे इस गांव के रहने वाले अमरीका के मूल निवासी रेड इंडियन हैं। बता दें कि ये गांव दुनियाभर से कटा हुआ है, जिसकी वजह इसका जमीन के अंदर बसा होना है। इस गांव में आवागमन के साधन भी सीमित ही हैं। आधुनिक युग में भी ये गांव बाहरी दुनिया से कटा हुआ है। इस गांव तक पहुंचने के लिए कठिन सफर करके पैदल जाना पड़ता है। यहां तक पहुंचने के लिए लोग खच्चर का भी प्रयोग करते हैं। कुछ लोग यहां तक पहुंचने के लिए हवाई जहाज का प्रयोग भी करते हैं, जो गांव को नजदीकी हाइवे से जाते हैं। यही नहीं इस गांव में आज भी चिट्ठियां ले जाने का काम खच्चरों से किया जाता है।

अजब-गजब | मध्यप्रदेश के भिडावद गांव में बरसों से चली आ रही है यह प्रथा

यहां मनाया जाता है मौत का खेल, गोवर्धन पूजा पर मन्नत मांगने वालों के ऊपर से दौड़ती हैं गायें

हमारे देश में त्योहारों पर अलग अलग जगहों पर अलग अलग परंपराएं निभाई जाती हैं। ऐसी ही एक विचित्र परंपरा मध्य प्रदेश के उज्जैन से करीब 75 किलोमीटर दूर बड़नगर तहसील के भिडावद गांव में गोवर्धन पूजा पर होती है। इस परंपरा को मौत का खेल भी कहा जाता है। दरअसल, यहां पर दीपावली के बाद गोवर्धन पूजा के दिन गायों की पूजा की जाती है। इसके बाद लोगों की आस्था के प्रतीक के रूप में यह अनोखी प्रथा निभाई जाती है। इस अनोखी प्रथा के दौरान मन्नत मांगने वाले लोग जमीन पर लेट जाते हैं और उनके ऊपर से सैकड़ों गायें दौड़ते हुए निकलती हैं। यह परंपरा सिर्फ एक धार्मिक कृत्य नहीं है, बल्कि गांववालों के लिए एक पुरानी मान्यता है जो पीढ़ियों से चली आ रही है।

यह परंपरा कई बरसों से वली आ रही है। यह प्रथा कब से शुरू हुई यह तो ग्रामीणों को नहीं पता लेकिन उनका कहना है कि यहां के बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक, सभी इस परंपरा को देखते हुए बड़े हुए हैं और इसे निभाते आ रहे हैं। गोवर्धन पूजा के दिन यहां दूर-दूर से लोग आते हैं, जिन्हें अपनी

मन्नतें पूरी करनी होती हैं या जिनकी मन्नतें पूरी हो चुकी होती हैं। ये लोग दिवाली के पांच दिन पहले से ही अपने घर छोड़कर मां भवानी के मंदिर में आकर रहने लगते हैं। दिवाली के अगले दिन यहां मेला लगता है। इसमें मन्नत मांगने वाले लोग जमीन पर लेट जाते हैं ताकि उनके ऊपर से गायें गुजरें और उनकी इच्छाएं पूरी हों।

यहां गांव वालों के लिए गौ माता देवी का स्वरूप है, जो सुख, समृद्धि और शांति का प्रतीक मानी जाती हैं। इस दिन गायों की पूजा को मां गौरी की पूजा का दर्जा दिया जाता है। यहां गौ माता की पूजा की जाती है। पूजा के दौरान मन्नत मांगने वाले पूजा की थाली में गाय के गोबर सहित पूजा सामग्री रखते हैं। यह थाली देवी स्वरूपा गौरी को समर्पित होती है। इसके बाद ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ गायों का पूजन किया जाता है। इसके बाद फिर मां गौरी के आशीर्वाद के रूप में गायों को लोगों के ऊपर से दौड़ाया जाता है।

इस प्रथा के तहत मन्नत मांगने वाले भक्तों को पांच दिन का उपवास रखना पड़ता है। वे सूर्योदय से पहले गांव के चौक पर एकत्रित होते हैं, अपनी मन्नत पूरी करने के लिए गायों के सामने लेट जाते हैं। गायों के ऊपर से गुजरने के इस साहसी कार्य को लोग पूरी श्रद्धा से निभाते हैं। उनकी आस्था है कि इस अनुष्ठान को निभाने से उनकी मन्नतें पूरी होती हैं। ग्रामीणों का मानना है कि यह परंपरा उनके पूर्वजों से चली आ रही है, और इसलिए मन्नत मांगने वाले लोगों में यह दृढ़ विश्वास है कि पुरखों की यह परंपरा उन्हें देवी का आशीर्वाद और सफलता प्रदान करती है।

कोर्ट की स्वतंत्रता सरकार के खिलाफ नहीं : सीजेआई

» चंद्रचूड़ बोले- मुख्य न्यायाधीश- ए-अर्नब से जेड-जुबैर तक को जमानत दी, यही मेरी फिलॉसफी

जजों को फैसले की छूट दी जानी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि किसी मामले का अच्छा या बुरा जैसा मीडिया में दिखाया जाता है उससे काफी अलग हो सकता है। मैंने ए से लेकर जेड (अर्नब गोस्वामी से लेकर जुबैर तक) को जमानत दी है। यही मेरी फिलॉसफी है। जमानत नियम है और जेल अपवाद है, इस सिद्धांत का मुख्य रूप से पालन किया जाना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब हमेशा सरकार के खिलाफ फैसला सुनाना नहीं होता।

लेकिन कुछ प्रेशर ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का यूज करके अदालतों पर दबाव डालकर अपने पक्ष में फैसला पाने की कोशिश कर रहे हैं। परंपरागत रूप से न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कार्यपालिका से स्वतंत्रता के रूप में परिभाषित किया जाता था। न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब अब भी सरकार से स्वतंत्रता है। लेकिन न्यायपालिका की स्वतंत्रता के मामले में केवल यही बात नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा समाज बदल गया है। खासकर सोशल मीडिया के आने से इंटरेस्ट ग्रुप, प्रेशर ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का यूज करके अदालतों पर उनके पक्ष में फैसला लेने के लिए दबाव डालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होनें कहा कि अगर जज इन प्रेशर ग्रुप के पक्ष में फैसला देते हैं तो ये ग्रूप न्यायपालिका को स्वतंत्र कहते हैं। अगर जज ऐसा नहीं करते हैं तो न्यायपालिका स्वतंत्र नहीं हैं। इसी बात पर मेरी आपत्ति है। चंद्रचूड़ ने कहा कि मुझे स्वतंत्र तब कहा गया जब मैंने सरकार के खिलाफ फैसला सुनाया और चुनावी बॉन्ड को रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि जब आप चुनावी बॉन्ड पर फैसला करते हैं, तो आप बहुत स्वतंत्र होते हैं, लेकिन अगर सरकार के पक्ष में फैसला आता है, तो आप स्वतंत्र नहीं हैं। ये स्वतंत्रता की मेरी परिभाषा नहीं है। न्यायाधीशों को मामलों पर फैसला करने की छूट दी जानी चाहिए।

मैंने दी जमानत के मामलों को प्राथमिकता

उन्होंने कहा कि सीजेआई का पद संभालने के बाद मैंने जमानत के मामलों को प्राथमिकता देने का फैसला किया, क्योंकि ये व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़ा मामला है। ये तय किया गया कि सुप्रीम कोर्ट की हर बेंच को कम से कम 10 जमानत के मामलों की सुनवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 9 नवंबर 2022 से 1 नवंबर 2024 के बीच सुप्रीम कोर्ट में जमानत के 21 हजार मामले दायर किए गए। इस दौरान 21358 मामलों का निपटारा किया गया। इसी दौरान मनी लॉन्ड्रिंग के 967 मामलों में से 901 का निपटारा किया गया। हाल के महीनों में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक दर्जन पॉलिटिकल केस में जमानत दी गई है।

पीएम के बड़े-बड़े वादे फेल नहीं रुके हमले : रेणुका

» श्रीनगर में ग्रेनेड हमले पर केंद्र पर बरसीं कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। हाल ही में श्रीनगर में हुए ग्रेनेड हमले के संदर्भ में कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बात है। केंद्रीय सरकार द्वारा बड़े-बड़े दावे किए गए और आश्वासनों के साथ ढिंढोरा पीटा गया। श्रीनगर में लगातार हमले हो रहे हैं और केंद्र चुपचाप बैठा है। इस बीच, जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कवींद्र गुप्ता ने हालिया आतंकवादी हमलों पर अपनी राय दी। उन्होंने कहा, इसके पीछे दो कारण हैं। पहले, हमें यह स्वीकार करना होगा कि कहीं न कहीं स्थानीय स्तर पर भी संलिप्तता है।

राजनीतिक नेताओं के बयान आतंकवादियों को ताकत देते हैं : कविंद्र

ऐसे स्थानों की तलाश की जा रही है जो लोगों के बीच हिंसा और अशांति का माहौल बना सकें। इस प्रकार की घटनाए पिछले तीन वर्षों में कश्मीर में नहीं हुई हैं। वहीं भाजपा नेता कविंद्र ने कहा सुरक्षा बल अपना काम कर रहे हैं, लेकिन जब स्थानीय लोगों की संलिप्तता होती है, तो यह अधिक चिंता का विषय बन जाता है। राजनीतिक नेताओं के बयान उन लोगों (आतंकवादियों) को ताकत देते हैं। मेरा मानना है कि इसे थोड़ा टाला जाना चाहिए और आज जो लोग सत्ता में हैं, उन्हें भी जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। नेताओं का मानना है कि स्थानीय संलिप्तता और राजनीतिक बयानों को समझदारी से संबोधित किया जाना चाहिए ताकि आतंकवाद की समस्या को प्रभावी तरीके से हल किया जा सके।

आईसीसी ने महिला एफटीपी 2025-29 का किया एलान

» इंग्लैंड में खेला जायेगा महिला टी-20 विश्वकप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने सोमवार को आगामी चार साल (2025-29) के लिए महिलाओं का भविष्य दौरा कार्यक्रम जारी कर दिया। इस दौरान कुल 400 मुकाबले खेले जाएंगे। भारतीय महिला टीम घरेलू सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की मेजबानी करेगी। इन दोनों बड़ी टीमों के अलावा भारत इस दौरान बांग्लादेश और जिम्बाब्वे की भी मेजबानी करेगा। जिम्बाब्वे हाल ही में एफटीपी में 11वें सदस्य के रूप में शामिल हुआ है।

भारत ऑस्ट्रेलिया समेत चार देशों की करेगा मेजबानी

भारत की महिला टीम इन चार वर्षों में न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका की भी यात्रा करेगी। एफटीपी में प्रत्येक सदस्य देश को अपने घरेलू मैदान और दूसरी टीम के घर में चार-चार सीरीज खेलनी हैं। भारतीय टीम इसके अलावा 2026 में महिला टी20 विश्व कप से पहले इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के साथ त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। इंग्लैंड महिला टी-20 विश्वकप की मेजबानी करेगा। आईसीसी के क्रिकेट महाप्रबंधक वसीम खान ने जारी विज्ञप्ति में कहा, सदस्य देशों ने इस एफटीपी में अधिक टेस्ट मैच खेलने की मांग की है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज सभी बहु-प्रारूप सीरीज खेलने के लिए सहमत हैं, जिसमें वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया ऐसी अधिकतम सीरीज खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस दौरान इंग्लैंड, भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो-दो और वेस्टइंडीज के खिलाफ एक सीरीज खेलेगी।

टी-20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंची भारतीय टीम

डरबन। सूर्यकुमार यादव की अगुआई में भारतीय टीम टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंच चुकी है। भारत को दक्षिण अफ्रीका के साथ आठ नवंबर से चार मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। नियमित मुख्य कोच गौतम गंभीर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारियों में जुटे हैं जिस कारण इस दौरे के लिए वीवीएस लक्ष्मण अंतरिम कोच के तौर पर टीम के साथ आए हैं। इस टीम में कई नए खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर आई टीम के खिलाड़ियों ने डरबन पहुंचने पर कुछ मस्ती भी की और दक्षिण अफ्रीका की संस्कृति को लेकर कुछ सवाल जवाब भी किए। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला मैच डरबन में होगा। दक्षिण अफ्रीका टीम की कमान एडेन मार्करम संभालेंगे और इस टीम में गेराल्ड कोएट्जे और मार्को जेनसेन जैसे तेज गेंदबाज भी शामिल हैं। दूसरी तरफ, भारतीय टीम में सूर्यकुमार के अलावा अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं, रिंकू सिंह और तिलक जैसे आक्रामक बल्लेबाजों को भी टीम में जगह मिली है।

बसपा ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची

» बसपा सुप्रीमो मायावती और सतीशचंद्र मिश्रा सहित 40 नाम हैं शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। इसके लिए बसपा ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इसमें बसपा सुप्रीमो मायावती और सतीशचंद्र मिश्रा सहित 40 नाम शामिल हैं। बसपा के ये महारथी उपचुनाव में बसपा की जीत के लिए दिनरात एक करेंगे। बताते चलें कि यूपी में गाजियाबाद, मीरपुर, कुंदरकी, खैर, करहल, सीसमऊ, फूलपुर, कटेहरी, मझावां सीटों पर उपचुनाव होना है।

इसके लिए पहले 13 नवंबर को मतदान होना था। लेकिन, 04 नवंबर को चुनाव आयोग ने इन सभी सीटों पर मतदान की तारीख एक हफ्ते बढ़ा दी है। अब इन नौ सीटों पर 20 नवंबर को वोटिंग होगी। बताते चलें कि उपचुनाव को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती विपक्ष पर लगातार हमलावर हैं। एक दिन पहले सोमवार को उन्होंने भाजपा-कांग्रेस को निशाने पर लिया। कहा कि ऐसे समय में जब करोड़ों लोग महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस महाराष्ट्र व झारखंड चुनाव के लिए प्रचार में एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। साथ ही मुफ्त उपहारों की घोषणा करने में व्यस्त हैं।

नकारात्मक राजनीति में व्यस्त हैं पार्टियां : मायावती

इससे पहले बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि जनता के मुद्दों पर ध्यान देने की बजाय ये पार्टियां चुनाव से पहले अपने झूठे प्रचार और वादों के साथ नकारात्मक राजनीति में व्यस्त हैं। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि इन दोनों पार्टियों द्वारा जनता से किए गए वादे ईमानदारी से पूरे नहीं किए जा रहे हैं। क्योंकि, वादे केवल लोगों को गुमराह करने के लिए किए जाते हैं। सरकार बनने के बाद नेता इसे भूल जाते हैं।

केंद्रीय मंत्री नित्यानंद की फिसली जुबान

» नीतीश कुमार को बता दिया प्रधानमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय तेजस्वी यादव पर जमकर बोले, लेकिन इससे पहले उनकी जुबान ऐसी फिसली कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बता दिया। उन्होंने कहा कि जो नौकरियां दी गई थी या जो दी जा रही हैं उसका निर्णय प्रधानमंत्री नीतीश कुमार ने लिया था। आगे उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को यह भी पता नहीं है कि राज्य का प्रधान मुख्यमंत्री होता है।

उन्होंने कहा कि नीतीश के नेतृत्व में नौकरियां दी जा रही है और बिहार की जनता जय-जय कर रही है। तेजस्वी को यह समझ लेना चाहिए। झारखंड चुनाव पर नित्यानंद ने कहा कि झारखंड में एनडीए की सरकार बनने जा रही है। प्रधानमंत्री की ओर से विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री के भगीरथ प्रयास से वहां कई विकास की योजनाएं चल रही हैं और झारखंड में एनडीए की सरकार बनने जा रही है।

संजय राउत के भाई पर एफआईआर से महाराष्ट्र में गरमाई सियासत

राउत बोले- 23 के बाद हम पूरा हिसाब चुकता कर देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र चुनाव के बीच वहां की राजनीति में उतार-चढ़ाव जारी है। महायूति व महाविकास अघाड़ी में उठापटक भी जारी है। कभी भाजपा, शिवसेना व एनसीपी में खटपट नजर आ रही है तो कभी कांग्रेस व उसके सहयोगियों के बीच रस्साकशी दिखाई देती है। उधर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने अपने भाई सुनील राउत पर एफआईआर दर्ज होने पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अभी तो सिर्फ केस दर्ज हुआ है, चुनाव के दौरान हमारे खिलाफ फर्जी केस दर्ज किए जाएंगे, फिर हमें भी जेल भेजा जाएगा, हम इन सबसे नहीं डरते. 23 नवंबर के बाद हम इनका पूरा हिसाब चुकता कर देंगे।

दूसरी तरफ शिवसेना (यूबीटी) नेता और मुंबा देवी सीट से उम्मीदवार सुनील राउत के कथित आपत्तिजनक बयान पर शाइना एनसी ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, सुनील राउत की ओर से यह सबसे प्रतिगामी टिप्पणी है, एक तरफ वे हमें बकरी कहते हैं और माल शब्द का इस्तेमाल करते हैं. दिमाग और विचार प्रक्रिया को देखें। बता दें कि मुंबई पुलिस ने सुनील राउत के खिलाफ प्रतिद्वंद्वी शिवसेना नेता सुवर्णा करंजे को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है. सुनील राउत और करंजे मुंबई की विक्रोली विधानसभा सीट पर एक दूसरे के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं। इसके अलावा संजय राउत ने अमेरिकी चुनाव पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा, आज अमेरिका में चुनाव हो रहा है और बैलेट पेपर पर हो रहा है, हिंदुस्तान में ईवीएम के ऊपर आज भी लोगों के मन में संदेह है तो आज कैसे निष्पक्ष चुनाव की बात की जा सकती है?

शाइना एनसी ने कांग्रेस की चुप्पी पर उठाए सवाल

शाइना एनसी ने आगे कहा, एक तरफ हमारे पास एक प्रधानमंत्री हैं, जो महिलाओं का सम्मान करते एक मुख्यमंत्री हैं, जिसने हमें लड़की बहन योजना के साथ सशक्त बनाया है और दूसरी तरफ हमारे पास महाविनाश अखाड़ी है, जहां कोई हमें वस्तु के रूप में संदर्भित करता है. महाराष्ट्र की महिलाओं को इस असंवेदनशील टिप्पणी के खिलाफ जागने का समय आ गया है, कांग्रेस बिल्कुल चुप है, हम 20 नवंबर को इसका मुंहतोड़ जवाब देंगे।

उद्धव ठाकरे ने पांच बड़े नेताओं को किया सस्पेंड

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बीच उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी ने बागियों पर बड़ा एक्शन लिया है, उद्धव ठाकरे ने बागियों पर कार्रवाई करते हुए पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण पांच नेताओं को निष्कासित कर दिया है, इनमें भिवंडी के पूर्व विधायक रूपेश म्हात्रे, विश्वास नांदेकर, चंद्रकांत घुगुल, संजय अवारी और प्रसाद ठाकरे शामिल हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के संपर्क प्रमुख रूपेश म्हात्रे को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण शिव सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के आदेश पर पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है, रूपेश म्हात्रे ने भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया, लेकिन बताया जाता है कि उन्हें पार्टी विरोधी बयानों और गतिविधियों के कारण निष्कासित कर दिया गया था, हालांकि उस समय उन्होंने अपना आवेदन वापस ले लिया था।

भाजपा व एनसीपी में उभरे मतभेद

बीजेपी के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का एनसीपी उम्मीदवार नवाब मलिक को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। एक इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि आपके विरोध करने के बावजूद अजित पवार ने नवाब मलिक को टिकट दिया, इसपर उन्होंने कहा कि मुझे निश्चित रूप से ऐसा लगता है कि अजित पवार की पार्टी ने ये सही काम नहीं किया। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था, हमने उनसे स्पष्ट शब्दों में कहा था, इसके बावजूद उन्होंने ऐसा किया। इसलिए हमारी पार्टी ने वहां पर शिवसेना का एक कैंडिडेट भी उतार दिया है, हम शिवसेना का काम करेंगे। बता दें कि अजित पवार की पार्टी की तरफ से नवाब मलिक को मानखुर्द शिवाजीनगर विधानसभा सीट से टिकट दिया गया है, जिसका बीजेपी और शिवसेना शिंदे की तरफ से विरोध किया जा रहा है।

सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई के नाम से फिर मिली धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को फिर से मिली लॉरेंस बिश्नोई के नाम की धमकी मिली है।

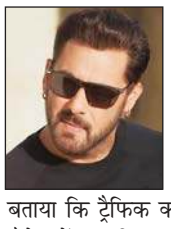

पुलिस सूत्रों ने बताया कि मुंबई पुलिस की ट्रैफिक कंट्रोल सेल को लॉरेंस बिश्नोई के नाम से धमकी भरा मैसेज मिला है। पुलिस ने आगे बताया कि ट्रैफिक कंट्रोल रूम को भेजे गए मैसेज में दावा किया गया है कि लॉरेंस बिश्नोई का भाई बोल रहा है और अगर सलमान खान जिंदा रहना चाहते हैं तो उन्हें हमारे मंदिर में जाकर माफी मांगनी चाहिए या 5 करोड़ रुपये देने चाहिए, ऐसा न करने पर जान से मार देंगे, हमारी गैंग आज भी सक्रिय है। पुलिस ने आगे बताया कि उन्हें यह धमकी भरे मैसेज की जानकारी कल मिली, जब आधी रात को ट्रैफिक कंट्रोल रूम में काम करने वाले अधिकारी ने यह पड़ा। पुलिस फिलहाल धमकी देने वाले शख्स की तलाश कर रही है। कुछ दिन पहले भी सलमान खान को जान से मारने की धमकी मिली थी। इस मामले में पुलिस ने नोएडा के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। वर्ली पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुंबई पुलिस के ट्रैफिक हेल्पलाइन नंबर पर कई व्हाट्सएप संदेश भेज बॉलीवुड सुपरस्टार से 2 करोड़ रुपये की मांग करने का मामला दर्ज किया था।

आंध्र प्रदेश : टीडीपी-एनडीए सरकार में रार!

पवन कल्याण ने साधा राज्य की गृह मंत्री पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। क्या एनडीए में सबकुछ ठीकठाक चल रहा है? यह सवाल हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि आंध्र प्रदेश में एनडीए के घटक आपस में ही भिड़ते दिख रहे हैं। हम आपको बता दें कि आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि अगर वह राज्य के गृह मंत्री होते तो स्थिति अलग होती।

पवन कल्याण की इस टिप्पणी को राज्य की गृह मंत्री वांगलापुडी अनिता की प्रत्यक्ष रूप से आलोचना के तौर पर देखा जा रहा है। पिथापुरम निर्वाचन क्षेत्र के गोल्लाप्रोलु में एक

जनसभा को संबोधित करते हुए कल्याण ने अनिता से जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए कहा। कल्याण ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कानून व्यवस्था मॉडल का जिक्र करते कहा, इन अपराधियों से उसी तरह निपटा जाना चाहिए, जैसा उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के शासन में निपटा जा रहा है।

अब कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे शरद पवार

चुनावी राजनीति से संन्यास के दिए संकेत, बोले- कहीं तो रुकना पड़ेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एनसीपी एसपी के प्रमुख शरद पवार ने ऐसे संकेत दिए हैं कि वे अब कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे। शरद पवार ने कहा कि कहीं तो रुकना पड़ेगा। महाराष्ट्र चुनाव से पहले शरद पवार का यह बड़ा बयान सामने आया है। शरद पवार ने कहा कि मैं कोई चुनाव नहीं लड़ना चाहता। चुनाव को लेकर मुझे अब रुकना चाहिए और नई पीढ़ी को आगे आना चाहिए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेता शरद पवार ने कहा कि अब तक 14 बार चुनाव लड़ा हूं,

सत्ता नहीं चाहिए, बस समाज के लिए काम करना चाहता हूं। शरद पवार ने अपने बारामती दौरे के दौरान कहा, मैं सत्ता में नहीं हूं। मैं राज्यसभा में हूं। मेरे पास अभी भी डेढ़ साल का वक्त बाकी है। डेढ़ साल बाद मुझे सोचना होगा कि राज्यसभा जाऊं या नहीं। लोकसभा तो मैं नहीं लड़ूंगा। कोई भी चुनाव नहीं लड़ूंगा। कितने चुनाव लड़े जाएं? अब तक 14 चुनाव हो चुके हैं। आपने एक बार भी घर नहीं बैठाया मुझे। हर बार मुझे निर्वाचित कर रहे हैं तो कहीं तो थमना ही चाहिए। मैंने इस सूत्र पर काम करना शुरू कर दिया है कि नई पीढ़ी को अब आगे आना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर से हटेगा आर्टिकल 370!

- राज्य की विधानसभा में सियासी घमासान
- पीडीपी ने लाया प्रस्ताव सदन में भारी हंगामा
- भाजपा समेत अन्य दलों ने की आलोचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। 6 साल बाद जम्मू-कश्मीर का पहला विधानसभा का सत्र के दौरान आर्टिकल 370 हटाने के खिलाफ प्रस्ताव पर भारी हंगामा हुआ। पीडीपी ने इस मामले को जोरशोर से उठाया। जिस तरह से मुद्दे को उठाया गया ऐसा लगता है कि इसको फिर से वापसी करवाने के लिए दबाव बनाने की कोशिश हो रही है ये तो आने वाले समय में पता चलेगा कि इसका लाभ होता है कि नहीं।

वहीं उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा, मेरी सरकार राज्य को बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। अनुच्छेद 370 को खत्म करने के खिलाफ प्रस्ताव पेश करने पर पारा ने सदस्यों के बीच उत्साहपूर्ण चर्चा शुरू कर दी, जिससे क्षेत्र की विशेष स्थिति को लेकर चल रहे तनाव पर प्रकाश डाला गया। विधानसभा का सत्र जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक परिदृश्य से जुड़ी जटिलताओं और गहरी जड़ों वाली भावनाओं को प्रतिबिंबित करता है।

पीडीपी की मानसिकता पर सवाल, शगुन ने किया प्रहार

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के पहले दिन के सत्र में पीडीपी द्वारा हंगामे पर सत्ताधारी दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी नेता शगुन परिहार ने कहा, पीडीपी ने पहले भी क्रूर मानसिकता का प्रदर्शन किया है और आज सदन में भी उन्होंने वही दोहराया। कांग्रेस नेता इरफान लोन ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के अवाम को जम्हूरियत के हक से महरूम रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यहां चुनाव हुए और आज इस सदन की कार्रवाई हुई। लोग उम्मीद करते हैं कि उनके उम्मीदवार सदन में उनकी आवाज उठाएंगे। उन्होंने एलजी के भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि उसमें पीडीपी के एमएलए द्वारा प्रस्ताव पेश करने की कोई गुंजाइश नहीं थी।

रेजोल्यूशन पेश करना कोई सियासत नहीं : पीडीपी

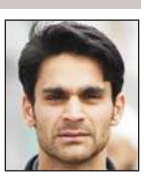

पीडीपी नेता वहीद पर्रा ने अपने रेजोल्यूशन का बचाव करते हुए कहा, हमारा रेजोल्यूशन पेश करना कोई सियासत की गरज से नहीं था, बल्कि यह यहां के कद्दावर नेता शेख अब्दुल्ला की विरासत और जम्मू के हिंदू राजा द्वारा बनाई गई रियासत की पुनर्स्थापना की मांग करता है। मुझे नहीं लगता कि किसी को इसकी खिलाफत करनी चाहिए थी। लोगों ने इन्हीं बुनियादों पर सरकार को इस ऐवान में चुनकर भेजा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।